

Inhalt

| | |
|--|-----|
| Thomas Brose: Hoppe – Hell und schnell | 7 |
| I. Das aufgespannte Ohr Gottes | 19 |
| II. Ohne Ansehen der Person | 27 |
| III. Das rote Seil | 33 |
| IV. Dein Reich komme | 51 |
| V. Der doppelte Martin | 75 |
| VI. Wie pfeift man das Johannesevangelium? | 93 |
| VII. Und schrieb in den Sand | 117 |
| VIII. Fährmann, hol über! | 139 |
| IX. Gliedermann oder Gott | 145 |
| X. Die Weihnachtsgeschichte | 149 |
| Literatur- und Quellenhinweise | 157 |